Fourteenth Loksabha

Session : 7
Date : 11-05-2006
Participants : Malhotra Prof. Vijay Kumar,Singh Shri Prabhunath,Chatterjee Shri Somnath,Singh Shri Prabhunath,Reddy Shri Sudini Jaipal

an>

Title : Regarding the situation arising out of the large-scale demolitions carried out in Delhi.

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा (दक्षिण दिल्ली) : अध्यक्ष महोदय, ...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I have only one notice. Shri Malhotra, you may please make your submissions.

प्रो. विजय कुमार मल्होत्राः अध्यक्ष जी, मैंने आपसे क्वैश्चन आवर सस्पैंड करने का अनुरोध किया है। उसका कारण यह है कि इस समय दिल्ली के अंदर 4 लाख दुकानों, 8 लाख मकानों, 3 लाख झुग्गी-झोंपड़ियों और 3 लाख रेहड़ी-पटरी वालों पर बुलडोज़र चलाने की बात हो रही है।...(व्यवधान)

मंत्री महोदय बहुत श्रेठ पार्लियामैंटेरियन हैं और वे इसे जानते हैं।...(व्यवधान)

THE MINISTER OF URBAN DEVELOPMENT (SHRI S. JAIPAL REDDY): Sir, I must be allowed to reply… (*Interruptions*)

SHRI MADHUSUDAN MISTRY (SABARKANTHA): Sir, this is not fair. He can raise it during the 'Zero Hour'… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I have permitted him to speak.

… (*Interruptions*)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्राः कल सारे टेलीविज़न चैनल्स पर पूरी प्रैस को बुलाकर मंत्री जी ने ब्रीफिंग करके कहा कि आज हाउस में बिल लाया जाएगा और उसे पास कराया जाएगा, लेकिन आज के एजैंडा में न कोई ऐसा बिल लिस्टेड है और न यहां कुछ लाने की बात है।...(व्यवधान) कल बीएसी की मीटिंग हुई थी, उसमें भी इसका उल्लेख नहीं था। इन्होंने सारे देश में कहा कि आज यहां बिल रखा जा रहा है, आज उसे पास कर दिया जाएगा और तोड़फोड़ रोक दी जाएगी।...(व्यवधान)

SHRI MADHUSUDAN MISTRY : Sir, how can he go on making a statement like this?… (*Interruptions*)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : जिस दिन प्रधान मंत्री जी ने दिल्ली के सांसदों को यह आश्वासन दिया कि इसके बाद दिल्ली में कोई तोड़-फोड़ नहीं होगी, उसी दिन कम से कम 500 मकान तोड़ दिए गए, बुलडोज़र चला दिए गए और हज़ारों की

तादाद में झुग्गी-झोंपड़ियों को निकाल दिया गया। यहां पिछले चार महीने से लगातार इसका आश्वासन दिया जा रहा है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप बैठिए।

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : यह कहा जा रहा है कि आगे से ऐसा नहीं होगा। इन्होंने सुप्रीम कोर्ट से टाइम मांगा, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने टाइम नहीं दिया। यह चार महीने से कह रहे हैं। उस दिन जब मैंने कालिंग अटैंशन मोशन रखा था, उस समय मंत्री महोदय ने कहा था ये आतंक फैला रहे हैं, ऐसी कोई बात नहीं है, किसी को गिराया नहीं जाएगा। उसके बाद दिल्ली में बीस हजार दुकानें सील कर दी गईं और दस हजार मकान तोड़ दिए गए। हाउस में आश्वासन देने के बावजूद पिछले सैशन में बिल नहीं लाया गया और इस बार भी बिल नहीं आया है।

अध्यक्ष महोदय, हमारा आपसे अनुरोध है कि जब तक हाउस में बिल नहीं आएगा, हाउस चलने का सवाल ही पैदा नहीं होता। इन्होंने दिल्ली के साथ विश्वासघात किया है। जो भी आश्वासन यहां दिए जाते रहे हैं, उन्हें पूरा नहीं किया गया।...(व्यवधान) It is a matter of privilege. मैं आपसे जानना चाहता हूं कि जब सदन चल रहा था, तब इन्होंने बाहर इस बात को कैसे कहा।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: You have raised an important issue. Let me see.

... (*Interruptions*)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : आप उनकी बात जरूर सुनें, मैं यह नहीं कह रहा कि उनकी बात नहीं सुनें, परन्तु यह बताएं कि जब हाउस चल रहा था, तब इन्होंने बाहर बिल के बारे में कैसे सब कुछ बताया और बिल लाए भी नहीं।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I will get the facts.

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : यह कोई सवाल नहीं है। इन्होंने बिल नहीं रखा। हम इसके खिलाफ प्रोटैस्ट करना चाहते हैं।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : हम सुन रहे हैं।

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: We will decide here.

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार) : अध्यक्ष महोदय, मल्होत्रा जी ने जो सवाल उठाया है, वह काफी गंभीर है। जिस ढंग से दिल्ली में तोड़-फोड़ चल रही है, उससे न सिर्फ यहां के व्यवसाय पर बुरा असर पड़ा है बल्कि लोग अब दिल्ली से पलायन करने की स्थिति में हैं। बाहर से जो लोग यहां आकर रोजगार करते थे, एक हजार रुपये या दो हजार रुपये की छोटी-मोटी नौकरी करके अपनी जीविका चलाते थे, अपने परिवार की जीविका चलाते थे, तोड़-फोड़ की घटनाओं से वे लोग सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं और वे दिल्ली से पलायन करने की स्थिति में हैं। इसके साथ ही एक बहुत अहम सवाल यहां उठता है। हम आपके और पूरे सदन के सामने इसे रखना चाहते cé[R1]।

सवाल यह है कि इस देश के प्रजातंत्र को कौन चलायेगा? क्याइसे न्यायपालिका चलायेगी या प्रजातंत्र में चुनी हुई सरकार चलायेगी? इसका कारण यह है कि देश में जो भी मामला सामने आता है, देखने में आता है कि कहीं दुकानें तोड़ने का मामला हो, तो न्यायपालिका आदेश देगी, कहीं प्रदूाण की समस्या हो, तो यहां से इंडस्ट्री को हटा दो, ऐसा आदेश न्यायपालिका देगी, सड़कों का निर्माण करना हो तो उसका आदेश भी न्यायपालिका देगी। हमारा कहना है कि यह देश के लिए दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति बनती जा रही है। जिस ढंग से लोकतंत्र में चुनी हुई सरकार कमजोर बनती जा रही है और न्यायपालिका हावी होती जा रही है, वह इस देश के लिए सही नहीं है। इस सवाल पर गंभीरता से विचार करके कोई न कोई ऐसी व्यवस्था बनानी चाहिए और इस व्यवस्था के साथ न्यायपालिका के कार्यों की समीक्षा होनी चाहिए। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : यह क्या हो रहा है? I would request you to please take your seat, Shri Ramdas Athawale.

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : यह सही नहीं है। प्रभुनाथ सिंह जी, हमने आपको बोलने की इजाजत दी है इसलिए आप बोलिये।

...(व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, हम एकमात्र यही निवेदन करना चाहते हैं कि सदन को तय करना पड़ेगा कि इस देश के प्रजातंत्र को कौन चलायेगा, कौन इस सरकार को चलायेगा? क्या इसे चुनी हुई सरकार चलायेगी या न्यायपालिका के लोग चलायेंगे? इस समय न्यायपालिका की तरफ से जो देखने और सुनने को मिल रहा है, जिस तरह से न्यायपालिका की ऊंची कुर्सी पर विराजमान लोग राजनीतिज्ञों और देश की अन्य संस्थाओं के विाय में टिप्पणी कर रहे हैं, उनकी ऐसी टिप्पणियों पर कार्रवाई करने के लिए यहां संसद में चर्चा होनी चाहिए। हमें निश्चित करना पड़ेगा कि उनकी भूमिका क्या है और उनको क्या करना है? जब तक इन सवालों पर गंभीरता से चर्चा नहीं होगी, तब तक कुछ नहीं होगा। आज दिल्ली टूट रही है, कल मुम्बई टूटेगी और परसों कोलकाता टूटेगा। इस तरह बढ़ती हुई जनसंख्या वाले देश में जहां प्रतिदिन रोजगार की कमी होती जा रही है, इससे चारों तरफ बेरोजगारी और ज्यादा फैल जायेगी। ...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Hon. Members, I know that this is a matter which is agitating all sides of the House. He has raised an issue. I wish to make only one submission. The Constitution of India is very clear on the respective jurisdictions of different constitutional authorities. I need not make any comment on that. So far as the Executive is concerned, the Executive is undoubtedly to discharge the functions of the Government and the Government is responsible to this House. The Executive authority being the Government, they are answerable to the House. Therefore, that power cannot be taken away. I am sure all the Members together shall exercise our right of enforcing the responsibility of the Council of Ministers to the elected body of this country.

श्री प्रभुनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं एक निवेदन करके अपनी बात समाप्त करना चाहता हूं। ...(व्यवधान)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव (झंझारपुर) : अध्यक्ष महोदय, यहां 25 लाख जो पूर्वांचल के लोग हैं। ...(व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, हम यह कहना चाहते हैं कि माननीय मंत्री जी ने प्रैस के माध्यम से देश की जनता और दिल्ली की जनता को जिस बिल के बारे में आश्वासन दिया है, वह बिल यहां ले आयें जिससे दिल्ली को टूटने से बचाया जा सके। इस कारण लोग दिल्ली से पलायन न कर सकें। हमारा कहना है कि दिल्ली में जो दुकानें तोड़ने की कार्रवाई चल रही है, वह भी स्थगित हो सके।

इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपनी बात समाप्त करता हूं।

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : अध्यक्ष महोदय, वह बिल क्यों नहीं लाया जा रहा है? ...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: You have raised the issue. Let us hear the Minister now.

... (*Interruptions*)

SHRI S. JAIPAL REDDY: Sir, I must be heard.

... (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I have called the Minister to respond.

... (*Interruptions*)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : आप चार महीने तक क्या करते रहे ? ...(व्यवधान)

SHRI S. JAIPAL REDDY: Sir, the BJP is perpetrating a fraud. They had their say. They must allow me to have my say also.... (*Interruptions*) Sir, they are perpetrating a fraud on Parliament. ... (*Interruptions*) You have stated your position. You have to listen to our position also. Sir, I am here to respond to every point they are raising. The situation in Delhi has come about because of the failure of the NDA Government. ... (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: The House stands adjourned to meet again at 11.30 a.m.

11.08 hrs.

The Lok Sabha then adjourned till thirty minutes past Eleven of the Clock[r2].

11.30 hrs.

The Lok Sabha re-assembled at thirty minutespast Eleven of the Clock.

(Mr. Speaker *in the Chair*)

Re: Situation arising out of the large scale demolitions carried out in Delhi - contd.

… (*Interruptions*)

THE MINISTER OF URBAN DEVELOPMENT (SHRI S. JAIPAL REDDY): Sir, I wish to say something… (*Interruptions*) Sir, I am ready with the Bill. I gave a notice of the Bill… (*Interruptions*)

SHRI VIJAY KUMAR MALHOTRA (SOUTH DELHI): Sir, the copy of the Bill has not been circulated… (*Interruptions*)

SHRI S. JAIPAL REDDY: The BJP would like to inculcate a political stand… (*Interruptions*) A situation in Delhi has been created because of… (*Interruptions*)

SHRI VIJAY KUMAR MALHOTRA : No Bill, no House… (*Interruptions*)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव(झंझारपुर) :अध्यक्ष महोदय, दिल्ली में पूर्वांचल के लाखों लोग रहते हैं। … (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: May I request all the hon. Members to take their seats? I have been informed…

… (*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : प्लीज, आप बैठिए।

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I have myself said earlier that this is an important matter, which has been raised and I have allowed it to be raised. Of course, I have called two hon. Members to speak on this matter. The Minister wanted to really say something about it. He has already informed me about the Bill being presented today. But unfortunately, the Hindi translation is not there.

Therefore, I will permit him to introduce the Bill tomorrow. If you are ready with the Bill, we can take up the Bill tomorrow to be discussed first in the House.

… (*Interruptions*)

SHRI S. JAIPAL REDDY: Sir, I may be allowed to introduce the Bill and let it be passed tomorrow.

MR. SPEAKER: We shall consider it for passing.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: May I indicate that I shall allow the Bill to be introduced, discussed and passed tomorrow? That will be done. There will be no problem from the Chair. The Chair will fully cooperate, provided you cooperate.

… (*Interruptions*)

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार) : अध्यक्ष महोदय, जब तक बिल की कॉपी हिन्दी में नहीं आती है, इसे इंट्रोड्युस नहीं किया जाना चाहिए। हिन्दी हमारी राजभाषा है।… (*Interruptions*[R3])

MR. SPEAKER: As you know, I had the privilege of discussing the issue with the hon. Leaders in my Chamber. Now, at the request of the hon. Members of the Opposition Parties, I adjourn the House till 12 noon only for laying of the Papers, as you have requested.

11.34 hrs.

The Lok Sabha then adjourned till Twelve of the Clock.